[This question paper contains 2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 8150

Unique Paper Code : 12057505 IC

Name of the Paper : भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा

Name of the Course : B.A. (Hons.) Hindi-CBCS-DSE II

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उसकी विविधता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भाषा, साहित्य और संस्कृति का अन्तःसंबंध स्पष्ट करते हुए भारतीय साहित्य के सामासिक स्वरूप पर प्रकाश डालिए। 12

2. वैदिक साहित्य की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

अपभ्रंश साहित्य का परिचय देते हुए उसके योगदान की चर्चा कीजिए। 12

3. आधुनिकता-पूर्व बांग्ला पद्य साहित्य पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

Scanned by CamScanner

अथवा

उर्दू साहित्य के योगदान पर एक लेख लिखिए। 12

भक्ति आंदोलन की सामाजिक भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आधुनिक भारतीय साहित्य में उत्तर आधुनिक संदर्भों की चर्चा कीजिए। 12

किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए : 9×3=27

(*i*) नवजागरण

(*ii*) पालि साहित्य

(*iii*) लौकिक संस्कृत साहित्य

(*iv*) आधुनिकता-पूर्व उड़िया साहित्य

(*v*) भक्ति आंदोलन और पंजाबी साहित्य

(*vi*) नवजागरण का महत्व

(*vii*) मणिपुरी गद्य साहित्य।

.....

Scanned by CamScanner